पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने 'सचिवालय साहित्यिकी-2016' का विमोचन किया

लखनऊः 23 जनवरी, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज उत्तर प्रदेश सचिवालय राजपत्रित अधिकारी संघ द्वारा तिलक हाल सचिवालय में आयोजित एक कार्यक्रम में 'सचिवालय साहित्यिकी-2016' का विमोचन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सचिवालय राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष श्री शिव गोपाल सिंह, उपाध्यक्ष श्री अर्जुन देव भारती, संयुक्त सचिव श्री भाष्कर पाण्डेय तथा संघ के सदस्यगण उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कहा कि सचिवालय के राजपत्रित अधिकारी सचिवालय की रीढ़ के हड्डी की तरह हैं। 'सरकार नीति निर्धारित करती है और सचिवालय के अधिकारी उस कार्य को व्यवहार में लाने का खाका पत्रावली के माध्यम से तैयार करते हैं। पत्रावली कैसे बनाना है या कैसे चलाना है, इस कार्य के आप विशेषज्ञ होते हैं। जब पत्रावली पर मंत्री परिषद के माध्यम से आदेश होते हैं तो मेरे नाम से होते हैं, चाहे मुझे मालूम हो या न हो'। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यस्तता में भी साहित्यिकी का निर्माण करना वास्तव में अभिनन्दनीय है।

श्री नाईक ने कहा कि वर्ष 2000 से प्रारम्भ होकर निरन्तर 16 वर्षों से सचिवालय राजपत्रित अधिकारी संघ द्वारा साहित्यिकी का प्रकाशन किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा अपने भाव और रचनात्मकता को साहित्यिकी के रूप में प्रस्तुत करना एक अच्छी पहल है। अपनी रूचि के अनुसार रचनात्मक कार्य करने के कई लाभ हैं, एक तो सरकारी कामकाज का बोझ हल्का होता है तथा बुद्धि भी प्रखर होती है। उन्होंने सचिवालय राजपत्रित अधिकारी संघ द्वारा अपने सहयोगियों के लिये चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाएं एवं कल्याण कोष से की जाने वाली सहायता की भी प्रशंसा की।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन आने के बाद वे भी लेखक हो गये हैं तथा उन्होंने अपने संस्मरण का एक संकलन 'चरैवेति! चरैवेति!!' के नाम से मराठी सहित हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी एवं गुजराती भाषा में प्रकाशित किया है। गत 9 नवम्बर को राष्ट्रपति भवन में उसका लोकार्पण राष्ट्रपति के हाथों से हुआ तथा 11 नवम्बर, 2016 को उसका लोकार्पण राजभवन में गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह व प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की उपस्थिति में किया गया। उन्होंने अधिकारियों का आहवान किया कि प्रदेश में होने वाले विधान सभा चुनाव में मतदान अवश्य करें तथा दूसरों को भी मतदान करने के लिये प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि संविधान द्वारा दिये गये अधिकार का पालन करना सभी नागरिकों का दायित्व है।

कार्यक्रम में सचिवालय राजपत्रित अधिकारी संघ के पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

अंजुम/ललित/राजभवन (29/29)